

प्रेषक,

डॉ० अजय कुमार प्रद्योत,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
खेल निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, खेलकूद एवं पर्यटन अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 27 जनवरी, 2014

विषय:- प्रादेशिक कीड़ा संघों एवं क्लबों को प्रतियोगिता के आयोजन हेतु आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

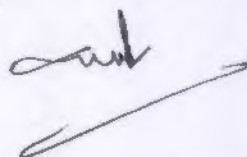
महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-613/प्रदे०की०सं०अनु०पत्रा०/2013-14 दिनांक 29 अक्टूबर, 2013 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या-237/VI-2/2013-21 35/2012 टी०सी० दिनांक 22 अप्रैल, 2013 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2013-14 में अनुदान संख्या-11 के आयोजनागत मानक मद-12 प्रदेशीय कीड़ा संघों, क्लबों एवं अन्य कीड़ा संघों आदि को प्रतियोगिताओं के आयोजन करने एवं खेलकूद उपस्कर कय हेतु अनावर्तक अनुदान-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के आयोजनागत पक्ष में आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि ₹20.00 लाख में से प्रादेशिक कीड़ा संघों एवं क्लबों को प्रतियोगिता के आयोजन हेतु ₹8.50(आठ लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(I) उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय, साथ ही जिन मदों के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने के पूर्व शासन/संबंधित अधिकारी की स्वीकृति भी अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। मदवार व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों एवं अन्य संगत प्राविधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय, तथा वास्तविक व्यय के आधार पर ही आहरण/व्यय किया जाय।

(II) उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। योजना संबंधी शासनादेश संख्या-408/VI-I/2009, दिनांक 30 नवम्बर, 2009 एवं इस विषय पर समय-समय पर जारी अन्य दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय तथा आयोजनोपरान्त उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जाय।

(III) धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा, ऐसा व्यय सम्बन्धित





अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजें।

(IV) उक्त अनुदान के सम्बन्ध में वित्तीय हस्तपुस्तिका (खण्ड-5) भाग-1 के अध्याय-16-क-अनुच्छेद-369 के सुसंगत प्राविधानों उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली एवं अनुदान सम्बन्धी विद्यमान अन्य संगत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(V) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक 2204-खेलकूद तथा युवक सेवायें-00-104 खेलकूद के अन्तर्गत-12 प्रदेशीय कीड़ा संघों, क्लबों एवं अन्य कीड़ा संघों आदि को प्रतियोगिताओं के आयोजन करने एवं खेलकूद उपस्कर कय हेतु अनावर्तक अनुदान-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

भवदीय,

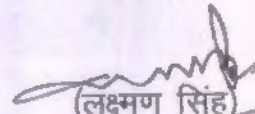
(डॉ० अजय कुमार प्रद्योत)  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या-19 /VI-2/2014-5(9)/2008 VOL-2 तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, मा० खेल मंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
5. बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय, देहरादून।
6. एन०आई०सी०, सचिवालय, देहरादून।
7. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

  
(लक्ष्मण सिंह)  
उप-सचिव।

3